



जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया Jananayak Chandrashekhar University, Ballia

पत्रांक-जे०एन०सी०यू०/आर०कैम्प(सा०प्र०)/1747/2020

दिनांक: 03 सितम्बर, 2020

सेवा में,

प्राचार्य/प्राचार्या,
समस्त महाविद्यालय,
सम्बद्ध जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय,
बलिया।

विषय:-महाविद्यालय के समीपस्थ स्थित गांवों, कस्बों एवं क्षेत्रों में जनपद की जीवित विभूतियों (Living Legends) के सम्बन्ध में सूचना प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय/महोदया,

आप अवगत ही होंगे की बलिया जनपद के एतिहासिक, राजनैतिक एवं संस्कृतिक पृष्ठ-भूमि एवं धरोहर काफी समृद्ध रही है। वर्तमान में भी जनपद के कई महानुभाव अपने अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करते हुए देश-विदेश में बलिया का नाम रोशन कर रहे हैं।

इस सम्बन्ध में माननीय कुलपति महोदया से प्राप्त निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा ऐसे महानुभावों को जिन्होंने जनपद से दूर दूसरे स्थानों पर जाकर देश-विदेशों में बलिया की प्रतिष्ठा को सर्वोद्धित किया है, उनको एक मंच प्रदान करने के लिए पहल की गई है।

अतएव आपसे यह अपेक्षा है कि महाविद्यालय के समीपस्थ स्थित गांवों, कस्बों एवं क्षेत्रों में जिनका जन्म हुआ है एवं वर्तमान में वे कहीं देश के अन्य भागों एवं विदेशों में सम्मान सहित कार्य कर रहे हों उनका संलग्न प्रारूप में विवरण विश्वविद्यालय को पत्र प्राप्ति के एक सप्ताह के अंदर अनिवार्यतः उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: 1. प्रारूप

2. मा० कुलपति जी द्वारा सम्मानित जनों के लिए प्रेषित अनुरोध पत्र।

(संजय कुमार)
कुलसचिव

पता:-शहीदस्मारक, निकटसुरहाताल, जिला-बलिया, उ०प्र०पिनकोड:-277001
Address:- Saheed Smarak, Near Surha Taal, Dist-Ballia, U.P. Pin Code-277001
Website:-www.jncu.ac.in E-mail :- jncuballia@gmail.com

विभूतियों के सम्बन्ध में विवरण / सूचना

1. महानुभाव का नाम:—
2. जन्म स्थान एवं वर्ष:—
3. स्थायी पता:—
4. वर्तमान पता:—
5. मोबाईल नं०:—
6. ई-मेल आईडी:—
7. क्षेत्र / कार्य का विवरण जहाँ वर्तमान में कार्य कर रहे हैं:—

२



प्रतिष्ठा में,

.....
.....
.....

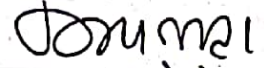
मान्यवर,

दानवीर राजा बलि की राजधानी एवं महर्षि भृगु की तपोस्थली बलिया अनादिकाल से महापुरुषों की जन्मस्थली रही है। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के प्रथम बलिदानी मंगल पाण्डेय हों या अगस्त क्रान्ति में स्वतंत्र हुए बलिया जनपद के प्रथम जिलाधीश चित्तू पाण्डेय, लोकनायक जयप्रकाश नारायण हों या जननायक चन्द्रशेखर, बलिया की माटी से उपजे राष्ट्र नायकों की एक अविच्छिन्न परम्परा रही है। हम आपको इसी परम्परा की एक कड़ी के रूप में देखते हैं और भले ही आपकी कर्मस्थली कोई भी हो बलिया आपकी जन्मस्थली है, आप बलिया के महान विभूतियों में से एक हैं।

प्रत्येक व्यक्ति का अपनी मातृभूमि से विशेष लगाव होता है। वह हमेशा अपने बालपन की स्मृतियों को, अपने घर-गाँव की स्मृतियों को अपने हृदय में संजोये रखता है। वह बार-बार अपनी जन्मभूमि पर वापस लौटना, उसकी गोद में खेलना चाहता है, अपनी मातृभूमि के लिये अपना कर्तव्य निभाना चाहता है। हम इसी उद्देश्य से आपके साथ जुड़ना चाहते हैं।

यह अत्यन्त हर्ष एवं गौरव का विषय है कि बलिया जनपद में जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय की स्थापना 22 दिसम्बर, 2016 को हो गई है। आपके व्यक्तित्व एवं कृतित्व से यह विश्वविद्यालय स्वयं को एवं बलिया जनपद को गौरवान्वित एवं लाभान्वित करने के लिए 'बलिया की विभूतियाँ' (Living Legends of Ballia) नामक फोरम का गठन कर रहा है जिससे हम सब साथ-साथ मिल बैठकर इस अनूठी वीर प्रसूता माटी के ऋण से उन्मूलन होने के लिए सम्मिलित प्रयास कर सकें और इस क्षेत्र की युवा पीढ़ी को एक सुनहरे भविष्य की दृष्टि प्रदान कर सकें। आप हमसे जुड़ेंगे तो यह क्षेत्र एवं विश्वविद्यालय तो लाभान्वित होगा ही आप भी अपने मन मस्तिष्क में इस माटी की सुगन्ध को पुनः अनुभव कर सकेंगे।

मेरा आपसे विनम्र अनुरोध है कि आप अवश्य इस फोरम से जुड़ें और अपने महत्वपूर्ण सुझावों एवं दिशा निर्देशों से हमें कृतार्थ करें।

शुभाकांक्षिणी,

प्रो०(कल्पलता पाण्डेय)
कुलपति



To,

.....
.....
.....

Dear,

Since time immemorial, Ballia, the great capital of bountiful King Bali and ascetic fervor place of the great devotee Lord Bhrgu, has been birthplace of great souls. Time and again, the fertile and revolutionary land has produced amazing legends and heroes who have sacrificed and contributed a lot in the shaping this great nation. We are proud of the tradition of having great leaders like Mangal Pandey (the first martyr of India's first struggle for freedom), Chittu Pandey (the first district magistrate of August revolution of Ballia), Jaiprakash Narayan (well known as *Loknaayak*) and Chandrashekhar (famous as *Jannayak* and *yuva turk*). Further, we are the most delighted to acknowledge you as an inspiring exponent of this glorious tradition. It is true that your work place is elsewhere but we feel that you belong to the Ballia Diaspora.

Needless to say that everyone has special affinity towards her/his homeland and cherishes sweet memories forever. Village, family members, childhood friends and the aura in general have a special relevance in one's life. We do look forward to any occasion to your visit to our place and revisit your reminiscences. Further, we realize that everyone has a strong desire to fulfill debts and duties towards motherland. With this objective in mind, we wish to connect with you.

It is a matter of immense pleasure that Jannayak Chandrashekhar University, Ballia, (Uttar Pradesh) has been founded on 22 December 2016. With your blessings and support, this University is going to form a forum namely 'Living Legends of Ballia'. This will provide a platform where we can meet and share our thoughts in order to repay the debts to our homeland. The proposed relationship will be mutually beneficial to Ballia as well as its people.

It is our humble request to you to kindly associate with this forum and oblige us with your suggestions and guidance.

With warm regards,

Sincerely yours,


Prof.(Kalplata Pandey),
Vice-Chancellor.